MDU Official Facebook page

Maharshi Dayanand University Rohtak

September 25 at 7:18 PM ·

रोहतक, 25 सितंबर। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के पं दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर एक्सीलेंस फॉर रूरल डेवलपमेंट, पं दीन दयाल उपाध्याय चेयर तथा लोक प्रशासन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आज-लाइफ एंड फिलॉसफी ऑफ द पं दीन दयाल उपाध्याय विषयक विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आईएचटीएम कांफ्रेंस हॉल में आयोजित इस विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम का शुभारंभ हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के उपाध्यक्ष डा. कुलदीप अग्निहोत्री ने बतौर मुख्यातिथि किया। डा. कुलदीप अग्निहोत्री ने अपने प्रभावी संबोधन में कहा कि पं दीन दयाल उपाध्याय सप्त-सिन्धु क्षेत्र की महत्ता पर जोर देते थे। उन्होंने सप्त सिन्धु की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि इसी क्षेत्र में भारत का मुख्य इतिहास समायोजित है। उन्होंने कहा कि पं दीन दयाल की विचारधारा एवं दर्शन से प्रेरणा लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पं दीन दयाल के विचारों को समग्रत से आत्मसात कर समाज एवं राष्ट्र की बहुत सी समस्याओं का निदान संभव है।

विशिष्ट अतिथि डा. सीता राम व्यास ने पं दीन दयाल उपाध्याय के जीवन के मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पं दीन दयाल की एकात्म मानववाद की प्रगतिशील विचारधारा समाज कल्याण के मूल में है। डा. सीता राम व्यास ने प्रकृति को माता मानते हुए आवश्यकतानुसार उसका उपभोग करने की बात कही तथा स्वदेशी मूल्यों को अपनाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में इस कार्यक्रम के संयोजक एवं पं दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर एक्सीलेंस फॉर रूरल डेवलपमेंट के निदेशक प्रो. सेवा सिंह दहिया ने स्वागत भाषण देते हुए पं दीन दयाल उपाध्याय के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने मुख्यातिथि का परिचयर दिया। आभार प्रदर्शन सेवानिवृत प्रोफेसर एसएस चाहर ने किया। डा. समुन्द्र सिंह ने कार्यक्रम का समन्वयन एवं मंच संचालन किया। इस अवसर पर शिक्षक गण, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, मंगलवार, 26 सितंबर 2023

पं. दीन दयाल की विचारधारा से लें प्रेरणा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के पं दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर एक्सीलेंस फॉर रूरल डेवलपमेंट, पं दीन दयाल उपाध्याय चेयर तथा लोक प्रशासन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को लाइफ एंड फिलॉसफी ऑफ द पं दीन दयाल उपाध्याय पर विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आईएचटीएम कांफ्रेंस हॉल में आयोजित इस विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम का शुभारंभ हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के उपाध्यक्ष डॉ. कुलदीप अग्निहोत्री ने बतौर मुख्यातिथि किया। डॉ. अग्निहोत्री ने कहा कि पं दीन दयाल उपाध्याय जोर देते थे। उन्होंने सप्त सिन्धु की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि इसी क्षेत्र में भारत का मुख्य इतिहास समायोजित है। उन्होंने कहा कि पं दीन दयाल की विचारधारा एवं दर्शन से प्रेरणा लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पं दीन दयाल के विचारों को समग्रत से आत्मसात कर समाज एवं राष्ट्र की बहुत सी समस्याओं

अतिथि डॉ. सीता राम व्यास ने पं दीन दयाल उपाध्याय के जीवन के मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पं दीन दयाल की एकात्म मानववाद की प्रगतिशील विचारधारा समाज कल्याण के मूल में है। डॉ. व्यास ने प्रकृति को माता मानते हुए आवश्यकतानुसार उसका उपभोग करने की बात कही तथा स्वदेशी मूल्यों को अपनाने पर

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK

Public Relations Office

Name of the Publication .... दैनिक जागरण (हिन्दी) ....

Date ..26.9.2023.... Page .....II..... Column....3-6....

Subject ....सप्त-सिंधु में भारत का मुख्य इतिहास समायोजित! डा. कुलदीप

सप्त-सिंधु में भारत का मुख्य इतिहास समायोजित : डा. कुलदीप

जागरण संवाददाता, रोहतक : महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फार एक्सीलेंस फार रूरल डेवलपमेंट, पं दीन दयाल उपाध्याय चेयर तथा लोक प्रशासन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को लाइफ एंड फिलासफी आफ द पंडित दीन दयाल उपाध्याय विषयक विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आइएचटीएम कांफ्रेंस हाल में आयोजित इस विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम का शुभारंभ हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के उपाध्यक्ष डा. कुलदीप अग्निहोत्री ने बतौर मुख्यातिथि किया।

प्रो. कुलदीप अग्निहोत्री को सम्मानित करते विभागाध्यक्ष प्रो. सेवा सिंह व अन्य।

राष्ट्रीय सेमिनार आज

रोहतक : मदविय के इंटर्नल क्वालिटी एस्युरेंस सेल तथा डीन, स्टूडेंट्स वेल्फेयर कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 26 सितंबर को फ्यूचर यूनिवर्सिटीज विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। निदेशक आईक्यूएसी प्रो. बी. नरसिम्हन ने बताया कि यूजीसी के पूर्व चेयरमैन प्रो. वेद प्रकाश बतौर की-नोट स्पीकर इस राष्ट्रीय सेमिनार में शिरकत करेंगे। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह सेमिनार की अध्यक्षता करेंगे।

डा. कुलदीप अग्निहोत्री ने अपने प्रभावी संबोधन में कहा कि पं दीन दयाल उपाध्याय सप्त-सिन्धु क्षेत्र की महत्ता पर जोर देते थे। उन्होंने सप्त सिन्धु की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि इसी क्षेत्र में भारत का मुख्य इतिहास समायोजित है। उन्होंने कहा कि पं दीन दयाल की विचारधारा एवं दर्शन से प्रेरणा लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पं दीन दयाल के विचारों को समग्रत से आत्मसात कर समाज एवं राष्ट्र की बहुत सी समस्याओं का निदान संभव है। विशिष्ट अतिथि डा. सीता राम व्यास ने पं दीन दयाल उपाध्याय के जीवन के मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पं दीन दयाल की एकात्म मानववाद की प्रगतिशील विचारधारा समाज कल्याण के मूल में है। डा. सीता राम व्यास ने प्रकृति को माता मानते हुए आवश्यकतानुसार उसका उपभोग करने की बात कही तथा स्वदेशी मूल्यों को अपनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में इस कार्यक्रम के संयोजक एवं पं दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फार एक्सीलेंस फार रूरल डेवलपमेंट के निदेशक प्रो. सेवा सिंह दहिया ने स्वागत भाषण देते हुए पं दीन दयाल उपाध्याय के जीवन पर प्रकाश डाला। आभार प्रदर्शन सेवानिवृत प्रोफेसर एसएस चाहर ने किया। डा. समुन्द्र सिंह ने कार्यक्रम का समन्वयन एवं मंच संचालन किया।

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK
Public Relations Office

Name of the Publication .... अमर उजाला (M/C) ....

Date 26.9.2023 Page .... 4 .... Column .... 3-6 ....

Subject .... पं. दीनदयाल की विचारधारा से प्रेरणा लें ....

पं. दीनदयाल की विचारधारा से प्रेरणा लें

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में विस्तार व्याख्यान आयोजित

माई सिटी रिपोर्टर

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर एक्सीलेंस फॉर रूरल डेवलपमेंट, पं. दीन दयाल उपाध्याय चेयर व लोक प्रशासन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को लाइफ एंड फिलॉसफी ऑफ द पंडित दीन दयाल उपाध्याय विषय पर विस्तार व्याख्यान आयोजित किया गया।

आईएचटीएम कांफ्रेंस हॉल में आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम का शुभारंभ हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के उपाध्यक्ष डॉ. कुलदीप अग्निहोत्री ने बतौर मुख्य अतिथि किया। उन्होंने कहा कि प. दीन दयाल उपाध्याय सप्त-सिंधु क्षेत्र की महता पर जोर देते थे। उनके विचारों को समग्रता से आत्मसात कर राष्ट्र की अनेक समस्याओं का निदान संभव है। डॉ. सीता राम व्यास ने उपाध्याय के जीवन के मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी एकात्म मानववाद की प्रगतिशील विचारधारा समाज कल्याण के मूल में है। डॉ. सीता राम व्यास ने स्वदेशी मूल्यों को अपनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम संयोजक प्रो. सेवा सिंह दहिया ने पंडित दीन दयाल उपाध्याय के आदर्शों पर प्रकाश डाला। आभार प्रदर्शन एसएस चाहर ने किया। डॉ. समुंद्र सिंह ने कार्यक्रम का समन्वयन एवं मंच संचालन किया।

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK

Public Relations Office

Name of the Publication ..... पंजाब केसरी (रोहतक)

Date ..... 26.9.2023 ..... Page ..... II ..... Column ..... 7-8 .....

Subject ..... पं. दीनदयाल की विचारधारा एवं दर्शन से प्रेरणा ...

पं. दीनदयाल की विचारधारा एवं दर्शन से प्रेरणा लेने की जरूरत : डा. अग्निहोत्री

कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी।

रोहतक, 25 सितम्बर (संजीव): महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के पं. दीनदयाल उपाध्याय सैंटर फॉर एक्सीलैंस फॉर रूरल डिवैल्पमैंट, पं. दीनदयाल उपाध्याय चेयर तथा लोक प्रशासन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सोमवर को लाइफ एंड फिलॉसफी ऑफ द पंडित दीनदयाल उपाध्याय विषयक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में अपने विचार रखते डा. अग्निहोत्री।

आई.एच.टी.एम. कॉन्फ्रैंस हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के उपाध्यक्ष डा. कुलदीप अग्निहोत्री ने बतौर मुख्यातिथि किया। उन्होंने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय ने सप्त सिन्धु की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि इसी क्षेत्र में भारत का मुख्य इतिहास समायोजित है। पं. दीनदयाल की विचारधारा एवं दर्शन से प्रेरणा लेने की जरूरत है।

विशिष्ट अतिथि डा. सीता राम व्यास ने कहा कि पं. दीनदयाल की एकात्म मानववाद की प्रगतिशील विचारधारा समाज कल्याण के मूल में है। उन्होंने प्रकृति को माता मानते हुए आवश्यकतानुसार उसका उपभोग करने की बात कही। इस अवसर पर शिक्षकगण, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

Prof. S.S. Chahar
Dr. Surender Singh

Incredible India

Prof. S.S. Chahar
Dr. Surender Singh

UNIVERSITY, ROHTAK
GRADE UNIVERSITY)
"Life and Phil
t. Deen Dayal Upadhayaya"
IIHTM, MDU, ROHTAK
2023 AT 10.00 A.M.
Department of Public
Administration
Singh

Prof. Kuldeep
Agnihotri

Philosophy of Pt. Deen Dayal Upadhyaya

MAHARSHI
UNIVERSITY, ROHTAK
Prof. Kuldeep
Agnihotri
Prof. Sita